टाइम्स एण्ड स्पेस

वर्ष - 01 अंक- 69 | कानपुर शुक्रवार 22 दिसम्बर 2023 | पृष्ठ - 4 | मूल्य : 1 रुपये

प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियॉडिकल विधेयक 2023 लोकसभा से पारित

नई दिल्ली। प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियॉडिकल विधेयक 2023 गुरुवार को लोकसभा से पारित हो गया। गुरुवार को लोकसभा में इस विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियॉडिकल्स विधेयक 2023 के माध्यम से गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलकर नए भारत के लिए एक नया कानून लाने का कार्य किया गया है।

उन्होंने चर्चा के दौरान पुराने कानून के बारे में कहा कि सन 1867 के अधिनियम के तहत अंग्रेजों की मानसिकता थी कि प्रेस को अपने अधीन रखें। यहां तक कि उनके लिए रजिस्ट्रेशन करना भी अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती थी। प्रिंटिंग प्रेस लगाना या पब्लिशर बनना, ये अपने आप में बहुत बड़ी बात थी। इसमें डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट (डीएम) का अहम भूमिका होती थी। 8 चरणों में पूरी प्रक्रिया पूरी होती थी। डीएम के पास जा कर पंजीकरण करने से लेकर रजिस्ट्रार न्यूजपेपर ऑफ इंडिया के पास तक आठ प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित हो जाने से केवल दो महीने के अंदर आपको अपना समाचार पत्र हो या पत्रिका हो उसकी अनुमति मिल जाएगी। यह बेहद सरल है और स्मार्ट भी है। पहले डीएम के पास रजिस्टर करना पड़ता और फिर रजिस्ट्रार ऑफ न्यूजपेपर के पास अनुमति लेनी पड़ती थी, अब ऐसा नहीं है। अब डीएम के पास भी और आरएनआई के पास भी एक ही समय पर आप रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अगर डीएम 60 दिन में जवाब नहीं भी देता तो आरएनआई ही आपको अनुमति दे देगी। इससे बहुत बड़ी सुविधा मिलने वाली है।

उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बल देने का काम नरेन्द्र मोदी की ही सरकार ने किया है। हजारों पुराने कानून या ऐसे कानून जिनकी आवश्यकता नहीं थी उनसे भी मुक्ति दिलाने का काम सरकार ने किया है। विधेयक में जितने भी सजा वाले प्रावधान थे, उन्हें हटा दिया गया है। केवल एक ही ऐसा प्रावधान है, जहां पर अगर आपने अनुमति ना ली हो प्रिंटिंग प्रेस शुरू करने (पब्लिशिंग) की उसमें भी आपको 6 महीने का प्रावधान दिया है कि इसे बंद कर दें और अनुमति लें। अगर यह ना करें तब जाकर आपको सजा होगी।

क्या है प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियॉडिकल विधेयक 2023- इसी सरल भाषा में समझिए कि अगर आप कोई पीरियॉडिकल या कोई पत्रिका या कोई अखबार निकालना चाहते हैं तो ऐसी पत्रिकाओं का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होता है। प्रेस और पीरियॉडिकल का रजिस्ट्रेशन विधेयक लागू होने से 1867 का प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम रद्द हो जाएगा। पुराने अधिनियम में डिजिटल मीडिया शामिल नहीं था जबकि नए अधिनियम में डिजिटल मीडिया को शामिल किया जाएगा। इसमें रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को आसान करने और आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी गई है।

इस विधेयक में क्या है विशेष -नए प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियॉडिकल विधेयक में समाचार पत्रों, पीरियॉडिकल्स और पुस्तकों के पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। विधेयक के तहत प्रिंटर या पब्लिशर को डीएम को डिक्लेरेशन देना होगा। डीएम इसे प्रेस रजिस्ट्रार को भेजेंगे। इसके बाद प्रेस रजिस्ट्रार पंजीकरण का प्रमाणपत्र जारी करेगा। पीरियॉडिकल्स के पब्लिशर्स प्रेस रजिस्ट्रार जनरल को ऑनलाइन अप्लाई कर पंजीकरण पत्र पा सकते हैं। जिस व्यक्ति को किसी आतंकी गतिविधियों या गैर-कानूनी कार्य में संलिप्त पाया जाएगा, उसे पीरियॉडिकल्स छापने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन होने की वजह से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में पारदर्शिता आ जाएगी। इसके अलावा प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियॉडिकल विधेयक 2023 में पीआरबी अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रावधानों को समाप्त करने की बात की गई है। सरलीकरण पर ध्यान देने के अलावा यह बिल प्रिंट मीडिया क्षेत्र के भीतर जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी जोर देता है. यह पंजीकृत प्रकाशनों के रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए विशिष्ट गाइडलाइन की रूपरेखा तैयार करता है और गैर-अनुपालन के लिए जुर्माना लगाता है।

प्राण प्रतिष्ठा में वही आएं जिनके पास निमंत्रण

सीएम योगी ने दिए निर्देश, कहा- 100 हवाईजहाज आने की संभावना

अयोध्या। 22 जनवरी को प्रस्तावित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान वही लोग अयोध्या आएं, जिनके पास निमंत्रण पत्र है। सरकारी ड्यूटी में तैनात कर्मियों को भी इसमें छूट रहेगी। व्यवस्था में लगे अधिकारी यह सुनिश्चित करें और इसके अलावा अन्य के आने पर उचित कार्रवाई करें। अयोध्या एयरपोर्ट पर 100 प्लेन आने की संभावना है। उसके डायवर्जन की भी व्यवस्था की जाए। ये निर्देश गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए।

मंडलायुक्त सभागार में विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी प्रधानमंत्री के 30 दिसंबर के दौरे से ही 22 जनवरी के समारोह का रिहर्सल कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामपथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ, धर्म पथ व अयोध्या एयरपोर्ट से बाईपास से नयाघाट जोड़ने वाले मार्ग से संबंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

योगी ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद आने वाले श्रद्धालुओं को अयोध्या भ्रमण हेतु इलेक्ट्रिक बसों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। अयोध्या का एक डिजिटल टूरिस्ट मैप विकसित किया जाए। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएंगी। पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने सुरक्षा के बिंदुओं की जानकारी दी।

30 को मोदी वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या आएंगे। वह 30 दिसंबर को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। इस बात की पुष्टि बुधवार को मंडलायुक्त गौरव दयाल ने की है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री एयरपोर्ट के बगल मैदान में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से अयोध्या से दिल्ली जाने वाली वंदे भारत समेत दो ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाएंगे।

अपराधों के रोकथाम में नवाचार के लिए मध्यप्रदेश पुलिस देशभर में प्रथम

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने किया सम्मानित, फॉरेंसिक विभाग को द्वितीय पुरस्कार

भोपाल। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी), केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने मध्य प्रदेश पुलिस को डिजीटल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं आईसीजेएस का उपयोग कर अपराधों की रोकथाम करने के लिए प्रथम पुरस्कार मिला है। गुरुवार को मध्य प्रदेश पुलिस को आईसीजेएस (इन्टर-ऑप्रेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) के क्रियान्वयन में किये गये सराहनीय कार्य के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ट्रॉफी प्रदान की गई। इसके साथ ही प्रदेश की फॉरेंसिक शाखा को देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

गुरुवार को नई दिल्ली में शुरू हुई दो दिवसीय कान्फ्रेंस आन गुड प्रेक्टीसेस इन सीसीटीएनएस-आईसीजेसे में यह पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंटेलिजेंस ब्यूरो के वर्तमान निदेशक तपन कुमार डेका, एनसीआरबी के महानिदेशक विवेक गोगिया सहित सभी राज्यों के प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर प्रदेश के डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना ने एडीजी (एससीआरबी) चंचल शेखर एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।उल्लेखनीय है कि डीजीपी की ओर से आईसीजेएस के अधिक से अधिक कारगर उपयोग के लिए समय-समय पर मैदानी अमले को निर्देशित किया जाता रहा है तथा इसकी समीक्षा भी की जाती रही है। डीजीपी सक्सेना ने कहा कि भविष्य में इसी प्रकार से अपराधों की विवेचना एवं पतारसी में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर अपराधों की रोकथाम करते हुए हम मध्य प्रदेश पुलिस को नवीन ऊंचाइयों पर पहुंचाएं।इन्टर-ऑप्रेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) सर्वोच्च न्यायालय की ई-कमेटी की एक पहल है। यह आपराधिक एवं न्यायिक प्रणाली को त्वरित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह एक ऐसी प्रणाली है, जिस पर पुलिस, जेल, फॉरेंसिक, प्रॉसीक्यूशन एवं न्यायिक विभाग आपस में जुड़े हैं। मुख्यतः आईसीजेएस एक एकीकृत पोर्टल है जो पुलिस, जेल, फॉरेंसिक, प्रॉसीक्यूशन और न्यायिक विभागों को एक संयुक्त स्थानीय न्यायिक प्रणाली में जोड़ता है। जो अपराधों की विवेचना और उनके खिलाफ कार्रवाई में सुधार करने में मदद करता है। इस प्रणाली का उद्देश्य अपराधों की रोकथाम, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार करना है, ताकि विभिन्न संगठनों और विभागों के बीच सहयोग और कार्यप्रणाली में सुधार हो सके। इसका उद्देश्य अपराधों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई में तेजी, पारदर्शिता और नागरिकों को बेहतर न्याय पहुंचाना है।

भारत यात्रा पर आये तंजानियाई सैन्य अधिकारी, देखे आधुनिक इन्फैंट्री हथियार

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आये तंजानियाई सेना के प्रमुख जनरल जैकब जॉन मकुंडा के नेतृत्व में तंजानिया के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान इन्फैंट्री स्कूल, महू का दौरा किया। यहां दिए जाने वाले प्रशिक्षण की पद्धतियों और नवीनतम इन्फैंट्री हथियारों के बारे में प्रतिनिधिमंडल को जानकारी दी गई और उनके सामने नवीनतम हथियारों की फायरिंग का प्रदर्शन भी किया गया।

तंजानियाई सैन्य अधिकारियों ने नई दिल्ली में रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने, सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों से मुलाकात करके सैन्य सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की है।

तंजानिया के रक्षा बलों सीडीएफ के प्रमुख जनरल जैकब जॉन मकुंडा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 18 दिसंबर से भारत की यात्रा पर है। प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद वीरों को पुष्पांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा की शुरुआत की। तंजानिया पीपल्स डिफेंस फोर्सेज की ओर से मकुंडा ने एक भव्य पुष्पांजलि समारोह में अमर जवान ज्योति पर अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करके भारतीय शहीद सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान किया।

भारत दौरे पर आये जनरल जेजे मकुंडा नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) के 56वें पाठ्यक्रम के छात्र रहे हैं। इसलिए उन्होंने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ एनडीसी का दौरा करके अपने पुराने दिनों को ताजा किया। इस दौरान उनके साथ तंजानिया सेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। जनरल मकुंडा ने एनडीसी लाइब्रेरी में वॉल ऑफ ऑनर पर उनके चित्र का अनावरण किया। एनडीसी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एसएस दहिया ने सीडीएफ को पारंपरिक स्क्रॉल प्रस्तुत किया। कमांडेंट और एनडीसी के वरिष्ठ संकाय ने तंजानिया प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की।

तंजानिया के सीडीएफ के रक्षा बलों के प्रमुख जनरल जैकब जॉन मकुंडा ने भारत पहुंचने पर नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक लॉन में त्रि-सेवाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने साउथ ब्लॉक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने से मुलाकात की।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने तंजानिया के सीडीएफ जनरल जॉन मकुंडा का स्वागत किया और उनके साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से संबंधित पहलुओं और दोनों रक्षा बलों के बीच मौजूदा सैन्य संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

तंजानिया के रक्षा बलों के प्रमुख जनरल जैकब जॉन मकुंडा ने नई दिल्ली में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी से भी मुलाकात की है। बैठक के दौरान आपसी हित के मुद्दों और दोनों सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को और बढ़ाने के साधनों पर चर्चा की गई। तंजानियाई सीडीएफ ने राहत एवं बचाव कार्यों सहित विविध भूमिकाओं में भारतीय वायु सेना की भूमिका को सराहा। इसके अलावा नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल एसजे सिंह ने जनरल जैकब जॉन मकुंडा के साथ बातचीत की और मौजूदा द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और समुद्री सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

मार्च से हर माह दो से पांच विमान बेड़े में होंगे शामिल-ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। भारत में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में 2014 के दौरान महज 400 विमान थे। दस वर्ष में बढ़कर इन विमानों की संख्या 644 हो गई है। 2024 के दौरान विमानों की संख्या बढ़कर 686 हो जाएगी। यह जानकारी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को लोकसभा में दी। मंत्री ने सदन को बताया कि हमारा बेड़ा लगातार बढ़ रहा है अगले साल मार्च से हर महीने लगभग दो से पांच विमान देश के उड्डयन बेड़े में शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि वाणिज्यिक विमानों की वजह से 140 विमान जमीन पर खड़े हैं। इसमें 95 प्रतिशत विमान इंजन आपूर्तिकर्ता प्रैट एंड व्हिटनी की आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं के कारण जमीन पर हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि जमीन पर खड़े वाणिज्यिक वाहनों की समस्याओं को दूर करने को वे इंजन आपूर्तिकर्ता प्रैट एंड व्हिटनी के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि जब भारत में हवाई यातायात तेजी से बढ़ रहा है, यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है।

प्रधानमंत्री ने किया देश का सांस्कृतिक पुनर्जागरण-शेखावत

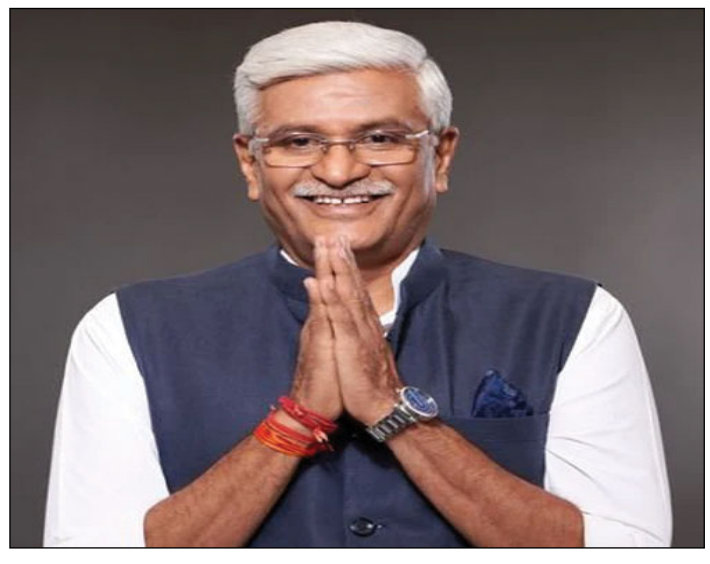

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 16 मई, 2014 से पहले भारत में राजनीतिक व्यवस्था किसी न किसी रूप में ब्रिटिश उपनिवेशवाद का प्रतीक बनी हुई थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संस्कृति का पुनर्जागरण करते हुए उसके संरक्षण का काम किया है। प्रधानमंत्री के प्रयास के चलते देश की नई पीढ़ी भारत की संस्कृति में अपने लिए एक सम्मान का प्रतीक खोजते हुए भारतीय कहलाने में गर्व की अनुभूति करने लगी है।

शेखावत ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारा देश विश्वभर में ज्ञान और विज्ञान के केंद्र के रूप में पहचाना जाता था लेकिन एक लंबे गुलामी के कालखंड में हमारी मानसिकता में जिस तरह से बदलाव हुआ, उसके चलते हमने स्वयं अपनी विरासत और क्षमताओं पर गर्व करना समाप्त कर दिया था। भारत की प्रासंगिकता विश्व पटल पर कम से कमतर होती गई लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पिछले एक दशक के कालखंड में जिस तरह से सांस्कृतिक पुरुष के रूप काम किया, उससे भारतीय संस्कृति एक नए पुनर्जागरण के दौर में पहुंची है, वरना गुलामी के दौर में सुनियोजित रूप से चलाए गए कुचक्रों के चलते देश के लोग मानसिक रूप से गुलाम हो गए थे। जो कुछ पश्चिम से आता है, वही श्रेष्ठ है, ऐसी मानसिकता सामान्य भारतीय मानव की हो गई थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के लोगों ने ही अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना छोड़ दिया था। 2014 में लंदन ट्रिब्यून अखबार ने अपनी टिप्पणी में लिखा था कि 16 मई, 2014 का दिन भारत के इतिहास में एक दूसरी आजादी के दिन के रूप में हमेशा स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इससे पहले जो राजनीतिक व्यवस्था भारत में थी, वह किसी ने किसी रूप में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के प्रतीक के रूप में बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण के पुरोधा बनाकर प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारतीय संस्कृति और परंपरा का संरक्षण किया, बल्कि सांस्कृतिक राजदूत के रूप में भारतीय संस्कृति को एक नई जीवंतता प्रदान की।

अयोध्या में राममंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल, गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर, चारधाम, करतारपुर साहिब, गुजरात के मेहसाणा में चालुक्य काल में बनाए गए मुंडेरा के सूर्य मंदिर समेत अनेक मंदिरों और धर्मस्थलों का जिक्र करते हुए शेखावत ने कहा कि अनेक सांस्कृतिक आध्यात्मिक केंद्रों का पुनरुद्धार मोदी सरकार ने सफलतापूर्वक किया।

शेखावत ने कहा कि भारत से चुराकर या लूटकर ले जाएगी ऐतिहासिक संपदा को स्वदेश लाने का क्रम तेजी के साथ में चल रहा है। 2014 से अब तक 344 से ज्यादा ऐसी ऐतिहासिक धरोहर भारत में लाई गई हैं।

सम्पादकीय

कब बनेगा जदरांगल परिसर

'गुस्से को भी चाहिए कुछ कद्रदानों की तालियां, हुजूम में चल सकते हैं सिर्फ बिके हुए लोग।' गुस्से का घर बनाना अब देश को चलाना है और इसीलिए राजनीति को आक्रोश पसंद है। यही आक्रोश हिमाचल में भाजपा के मुखर अंदाज की वकालत में धर्मशाला पहुंचा, तो जिक्र कांगड़ा के इनसाफ तक पहुंच गया। आश्चर्य यह कि सत्ता का पेंडुलम चाहे कांग्रेस की ओर झुके या भाजपा का साथ दे, कांगड़ा के प्रति बहस का नजरिया हमेशा विपक्ष की सहानुभूति पर आकर टिक जाता है। इस बार भाजपा के लिए कांग्रेस का मंत्रिमंडल कांगड़ा की रणभूमि में इसलिए कमजोर है क्योंकि सरकार की गोटियों में एक साल बाद भी दो नेताओं को ही स्थान मिला। तर्क भाजपा के पक्ष में मजबूती से इसलिए खड़ा है क्योंकि जयराम सरकार में यही आंकड़ा इससे कहीं आगे खड़ा था। यह दीगर है कि वहां दो जमा दो की दौड़ में कांगड़ा के मंत्रियों को पद छोडऩे पड़े थे और वरिष्ठता के आधार पर किशन कपूर को दिल्ली, विपिन सिंह परमार को विधानसभा अध्यक्ष और रमेश धवाला को योजना बोर्ड का रास्ता देखना पड़ा था। बहरहाल भाजपा कांगड़ा की संवेदनाओं में फिर से हामी भरती हुई यह साबित कर रही है कि सुक्खू सरकार की पारी में यह सियासी पटल हार रहा है। सबसे बड़ा मुद्दा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण को लेकर चिन्हित हुआ है। तमाम अड़चनों, राजनीतिक व्याख्याओं, वनापत्तियों और भूगर्भीय पैमाइशों के अंतहीन सिलसिले से निकल कर बरी हुआ जदरांगल परिसर आखिर कांग्रेस की पैमाइश में क्यों लटक गया। आक्रोश रैली ने सीधे पूछा ही नहीं, यह हिसाब भी मांगा कि कब केंद्रीय विश्वविद्याल के जदरांगल परिसर पर काम शुरू होगा और इसके निर्माण को आबंटित हुए ढाई सौ करोड़ खर्च होंगे। भाजपा के किशन कपूर और शांता कुमार पहले ही केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण को लेकर सुक्खू सरकार पर क्षेत्रीय भेदभाव का आरोप दर्ज करा चुके हैं। आश्चर्य व्यक्त करती हुई भाजपा पूछ रही है कि जब सारी अनुमतियां मिल चुकी हैं, तो सरकार वन विभाग को तीस करोड़ की राशि अदा न करके बहाने बना रही है। धर्मशाला परिसर के निर्माण में ढील को लेकर बुद्धिजीवी वर्ग खासा आक्रोशित है और एक बड़े आंदोलन का ऐलान कर चुका है। ऐसे में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के लिए अनेक मुद्दों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय भी शिरकत करेगा। भाजपा ने ऐन शीतकालीन सत्र से पूर्व यह बता दिया कि विपक्ष की भूमिका में इस बार कांगड़ा की हिमायत वह करेगी। यह प्रदेश की राजनीति का कुरुक्षेत्र है जो हमेशा तपोवन विधानसभा परिसर पर आकर अपना पता बताता है। तपोवन में विधानसभा का होना इसी कांगड़ा की सियासी मिट्टी का मक्का है, वरना सत्ता को हमेशा अपना शिखर शिमला में दिखाई देता है।

वैश्विक लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं पीएम नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि आज की तारीख में लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रुस के पुतिन हो या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते है। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में करवाये गए सर्वे में यह साफ हो गया है कि सर्वे में हिस्सा ले रहे दुनिया के देशों के लोगों में 76 फीसदी लोगों की पंहली पसंद नरेन्द्र मोदी रहे हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही है जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की है। इससे पहले अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी कि देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पंसद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में मजे की बात यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस लोकप्रियता की श्रेणी में 8 वें पायदान पर हैं।

दरअसल विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना कोई सामान्य बात नहीं होती है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। मजे की बरत यह है कि लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात हो जाती है कि 76 फीसदी को मतलब साफ है कि यह लोकप्रियता का कोई मामूली आंकड़ा नहीं है अपितु लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिकों के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी कि नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है। सूची के अनुसार तीसरे पायदान पर स्विट्जरलैंड, चौथे पर ब्राजील, पांचवें पर आस्ट्रेलिया और छटे पायदान पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी रही है। मेलोनी जिसको लेकर पिछले दिनों सोशियल मीडिया पर एक से एक मीम्स चलाये जा रहे थे उनके और नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में पूरे 35 फीसदी का अंतर है।

देखा जाये तो नरेन्द्र मोदी का एग्रेसिव रवैया ही उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। कठोर से कठोर और कड़े से कड़े निर्णय भी एक झटके में लेने की क्षमता और मोव को अपने पक्ष में करने क्षमता ही नरेन्द्र मोदी का लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है। वैश्विक सम्मेलनों और मंचों पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया के देशों का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी ही कर रहे हो। बॉडी लैंग्वेज ही ऐसी कि लगता यही है कि जैसे आज की तारीख में विश्व के नेताओं के कोई लीडर दिखाई देते है तो वह नरेन्द्र मोदी ही लगते हैं। भले ही इतर राय रखने वाले कुछ भी कहे या कुछ भी मनोभाव रखे पर अभी तो जो कुछ दिख रहा है वह साफ है और नरेन्द्र मोदी की सर्वमान्य नेता के रुप में भी प्रतिस्थापित करता है। अब मोदी विरोधी इसका कारण मोदी की एग्रेसिव मार्केटिंग, मीडिया मैनेजमेंट, तथ्यों के साथ तोड़ मरोड़ या कुछ भी कहे पर अंततोगत्वा जो दिख रहा है या जो सर्वे रिपोर्टस में आ रहा है या जैसा देशवासी अनुभव कर रहे हैं उसे सिरे से नकारा नहीं जा सकता। अब इस यों भी समझा जा सकता है कि कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करने का निर्णय और दुनिया के देशों द्वारा उफ् भी नहीं करना अगले की कूटनीतिक क्षमता को सिद्ध करता है। पाकिस्तान और चीन को अलग थलग करना हो या फिर रुस यूक्रेन युद्ध या इजरायल हमास युद्ध कहीं भी नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं हुआ। विरोधी देशों के संकट के दौरान सहायता में सबसे आगे रहना, अरब देषों को भी भारत के पक्ष में बनाये रखना, अमेरिका और रुस दोनों को ही साधे रहना अपने आप में बड़ी बात है। कोरोना दौर में भारतीय वैक्सीन के माध्यम से दुनिया के देशों के मानव इतिहास के सबसे बड़े संकटकाल में सहभागी के रुप में आगे आना लोकप्रियता और विश्वसनीयता बनाए रखने की बड़ी सफलता है। अमेरिका में ओबामा फिर ट्रम्प और अब जो बाइडन काल में भी समान अधिकार के साथ संबंध बनाए रखना बड़ी बात है। पाकिस्तान को दुनिया के देशों से अलग थलग करना तो मोदी के लिए मामूली बात सिद्ध हुई है।

दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के लिए बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

जन अदालत में भाजपा की जीत के मंत्र बने मोदी की गारंटी और मोदी है तो मुमकिन है

दीपक कुमार त्यागी

देश के पांच राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पांच में से तीन राज्यों में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा ने राजस्थान व छत्तीसगढ़ राज्य कांग्रेस पार्टी से छीनकर के सरकार बनाने का कार्य किया है और मध्यप्रदेश राज्य को अपने पास बरकरार रखने कार्य बखूबी किया, वहीं तेलंगाना राज्य में भी भाजपा के वोट प्रतिशत में रिकार्ड वृद्धि हुई है। हालांकि इन तीनों राज्यों में मतदान से कुछ माह पूर्व तक आलम यह था कि वहां पर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती हुई नज़र आ रही थी। लेकिन चुनावी रणभूमि में जहां एक तरफ कांग्रेस पार्टी के चंद राजनेताओं ने जीती हुई बाजी को दिन-रात मेहनत करके पार्टी को हारने का काम बखूबी किया। वहीं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को भांप करके पूरे चुनाव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम के इर्द-गिर्द करते हुए मोदी की गारंटी के दम पर हारी-बाजी को जीत में बदलने का काम किया है।

चुनाव परिणाम आने के बाद से ही भाजपा में जबरदस्त जश्न का माहौल जारी है, वहीं देश के अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों में बैठकों का दौर चल रहा है। लेकिन मुझे लगता नहीं यह सभी विपक्षी दल अभी भी विधानसभा चुनावों की हार का निष्पक्ष रूप से आंकलन करते हुए अपने-अपने गिरेबान में झांकने के लिए तैयार हैं, वह तो अभी भी अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ कर के अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने के मूड में नज़र आ रहे हैं। मोदी के विपक्ष में खड़े राजनीतिक दलों में से यह कोई भी दल समझने के लिए तैयार नहीं है कि अब उन्हें आत्ममंथन करने की जरूरत है। लेकिन वह आत्ममंथन की जगह ईवीएम को ढाल बनाकर उसके पीछे छिपने का कार्य कर रहे हैं।

हालांकि इन विधानसभा के चुनावों में जनता ने विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, संघ व एनडीए गठबंधन के अन्य सहयोगियों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया है कि मोदी की गारंटी आज चुनावी जीत का सबसे कारगर मंत्र है, जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति, नियत, नेतृत्व व काम करने की शैली बेहद पसंद है।

वैसे देखा जाए तो प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के बहुत सारे ऐसे निर्णय हैं जोकि इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गए हैं, जनता को भी मोदी के निर्णय बेहद पसंद आते हैं, क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने लोगों के दशकों से इंतजार कर रहे बहुत सारे सपनों को अपने कार्यकाल में धरातल पर अमलीजामा पहना कर साकार करके दिखा दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने फैसलों से देश की दुनिया में तस्वीर बदलने व भारत के आम व खास जनमानस की तकदीर को बदलने का काम बखूबी किया है। उन्होंने अभी तक देश में सड़कों, हाइवे व एक्सप्रेसवे का जाल बिछाना, देश की सीमाओं पर सड़कों का जाल बिछाना, सेना को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करना, देश के अलग-अलग हिस्सों में एम्स हॉस्पिटल का निर्माण करना, देश के हर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय स्तर का मजबूत करना, बंदरगाहों व रेलवे का कायाकल्प करना, देश को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए नये हवाई अड्डे बनाना।

गतिरोध एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करना दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

लोकसभा एवं राज्यसभा में सत्तापक्ष या विपक्ष का अनुचित एवं अलोकतांत्रिक व्यवहार न केवल अशोभनीय, अनुचित एवं मर्यादाहीन है बल्कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आदर्श परम्पराओं को धुंधलाने वाला है। शीतकालीन सत्र से लोकसभा के अब तक 95 एवं राज्यसभा के 46 कुल 141 सांसदों को सस्पेंड किए जाने के बाद विपक्षी सांसद संसद परिसर में धरना दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी की और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारकर मिमिक्री की, निश्चित ही इस तरह का अपमानजनक एवं अशालीन व्यवहार भारत के लोकतंत्र को कलंकित करने की चिन्ताजनक घटना है। उपराष्ट्रपति सर्वोच्च एवं सम्मानजनक पद है, इसकी गरिमा को आहत करना एवं उस पर आंच आने का अर्थ है राष्ट्र की अस्मिता एवं अस्तित्व को धुंधलाने की कुचेष्टा। तभी उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह हास्यास्पद और अस्वीकार्य है कि एक सांसद मेरी मजाक उड़ा रहा है और दूसरा सांसद उस घटना का वीडियो बना रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मुझे अपनी परवाह नहीं है, मैं ये बर्दाश्त कर सकता हूं. लेकिन मैं कुर्सी का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। इस कुर्सी की गरिमा बरकरार रखने की जिम्मेदारी मेरी है। मेरी जाति, मेरी पृष्ठभूमि, इस कुर्सी का अपमान किया गया है। यहां बात सिर्फ लोकतंत्र के अपमान की भी नहीं है। संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की जिस तरह मिमिक्री कर उनका अपमान करने और हमारे संवैधानिक सर्वोच्च संस्थानों पर राजनीतिक हमले किये जाने का जो सिलसिला चला है वह एक तरह से भारत की छवि पर हमला है। इतने अधिक सांसदों का निलम्बन एवं उपराष्ट्रपति का अपमान लोकतांत्रिक इतिहास में इन्हें दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के रूप में देखा जाएगा।

यह विपक्षी दलों की बौखलाहट ही है कि अपनी सरकती राजनीतिक जमीन को बचाने की जुगत में वे जायज-नाजायज सभी तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं, यह भूलकर की उनकी भी कुछ मर्यादाएं एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। यही विपक्ष कभी राष्ट्रपति तो कभी उपराष्ट्रपति, तो कभी प्रधानमंत्री के लिये अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए लोकतांत्रिक मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। प्रधानमंत्री के लिए तो तानाशाह, हिटलर, नीच, मौत का सौदागर या कई अन्य अपमानजनक शब्द उपयोग किये हैं। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का जिस तरह अपमान किया गया उसने सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है। लोकतंत्र में असहमति एवं आलोचना एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है और इसे उसी रूप में लेने की जरूरत है, लेकिन हठधर्मिता, विध्वंसात्मक नीति एवं मिमिक्री करने जैसी घटनाओं से लोकतंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसे अलोकतांत्रिक विपक्ष की नींव पर कैसे साकार होगा? यहां तो सभी दल अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। हालांकि विपक्षी दलों के तमाम अलोकतांत्रिक विरोध एवं उच्छृंखल रवैये ने निराशा का ही वातावरण बनाया है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध के पीछे मूलत: पिछले सप्ताह संसद की सुरक्षा में हुई चूक है। इसमें कहीं कोई दो राय नहीं कि यह गंभीर मसला है। सवाल सिर्फ यह है कि आखिर इस गंभीर मसले पर सदन के अंदर चर्चा की कोई राह दोनों पक्ष क्यों नहीं निकाल पा रहे? क्यों विपक्षी दल इस बात पर अड़े हैं कि कानून व्यवस्था से जुड़े इस गंभीर मसले पर केंद्रीय गृह मंत्री को बयान देना चाहिए, वहीं सरकार का कहना है कि संसद के अंदर की सुरक्षा स्पीकर की जिम्मेदारी होती है और इसलिए इस पर गृह मंत्री का बयान देना उचित नहीं होगा। लोकतंत्रीय पद्धति में किसी भी विचार, कार्य, निर्णय और जीवनशैली की आलोचना पर प्रतिबंध नहीं है। किन्तु आलोचक का यह कर्तव्य है कि वह पूर्व पक्ष को सही रूप में समझकर ही उसे अपनी आलोचना की छेनी से तराशे। किसी भी तथ्य को गलत रूप में प्रस्तुत कर उसकी आक्षेपात्मक आलोचना करना उचित नहीं है। जिन दलों, लोगों एवं विचारधाराओं का उद्देश्य ही निन्दा करने का हो, उनकी समझ सही कैसे हो? जिसका काम ही किसी अच्छे काम या मन्तव्य को जलील करने का हो, वह सत्य का आईना लेकर क्यों चलेगा?

विपक्षी दलों की हठधर्मिता से खड़े हुए गतिरोध के चलते संसद के शीत सत्र के बचे हुए दिनों में भी सुचारू ढंग से कामकाज होने के कोई आसार नहीं दिख रहे। ध्यान रहे, अगले आम चुनाव से पहले यह मौजूदा लोकसभा का आखिरी पूर्णकालीन सत्र है और इसमें कई अहम बिलों पर चर्चा होनी है। लेकिन पक्ष-विपक्ष का जो रवैया है उसे देखते हुए यही लगता है कि विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी चर्चा के ही इन बिलों को पास घोषित करना पड़ेगा। कितना दुखद प्रतीत होता है जब कई-कई दिन संसद में ढंग से काम नहीं हो पाता है। विवादों का ऐसा सिलसिला खड़ा कर दिया जाता है कि संसद में सारी शालीनता एवं मर्यादा को ताक पर रख दिया जाता है। विवाद तो संसद में भी होती हैं और सड़क पर भी। लेकिन संसद को सड़क तो नहीं बनने दिया जा सकता? वैसे, भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसे अवसर बार-बार आते हैं, जब परस्पर संघर्ष के तत्व ज्यादा और समन्वय एवं सौहार्द की कोशिशें बहुत कम नजर आती है। स्पष्ट है कि यदि दोनों पक्ष अपने-अपने रवैये पर अडिग रहते हैं तो संसद का चलना मुश्किल ही होगा। संसद में हुड़दंग मचाने, अभद्रता प्रदर्शित करने, मिमिक्री करने एवं हिंसक घटनाओं को बल देने के परिदृश्य बार-बार उपस्थित होते रहना भारतीय लोकतंत्र की गरिमा से खिलवाड़ ही माना जायेगा। सफल लोकतंत्र के लिए सत्ता पक्ष के साथ ही मजबूत एवं शालीन विपक्ष की भी जरूरत होती है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उपराष्ट्रपति को जिस तरह अपमानित किया गया, उससे वह बेहद व्यथित हैं। व्यथित तो समूचा राष्ट्र है। राष्ट्रपति ने तो कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन उनकी अभिव्यक्ति शालीन तथा मर्यादा के दायरे में होनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि हमारी संसदीय परंपराएं हैं जिन पर हमें गर्व है और हम उन्हें बरकरार रखने की आशा करते हैं।' भारत की संसदीय प्रणाली दुनिया में लोकप्रिय एवं आदर्श है, बावजूद इसके सत्ता की आकांक्षा एवं राजनीतिक मतभेदों के चलते लगातार संसदीय प्रणाली को धुंधलाने की घटनाएं होते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब संसद की कार्रवाई को बाधित करना एवं संसदीय गतिरोध आमबात हो गयी है। संसद एक ऐसा मंच है जहां विरोधी पक्ष के सांसद आलोचना एवं विरोध प्रकट करने के लिये स्वतंत्र होते हैं, विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार और अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा, नारेबाजी, मिमिक्री करने की स्थितियां कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती है?

राशिफल

आचार्य कमल कृष्ण मिश्र मो. न.9651888336

मेष- अपने जीवनसाथी के मामले में गैर-ज़रूरी टांग अड़ाने से बचें। जल्दबाज़ी में फैसले न लें। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का खयाल रखेगी। नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है। वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे।

वृष-जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था, आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। रोमांस आपको खुशमिज़ाज रखेगा। व्यापार में अचानक लाभ हो सकता है। आफिस में सहयोगी आपकी मदद करेंगे।

मिथुन-जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं, उन्हे आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपके प्रिय का डांवाडोल मिज़ाज आपको परेशान कर सकता है। काम और घर पर दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज के दिन घटनाएं अच्छी तो होंगी, लेकिन तनाव देंगी।

कर्क - खाते-पीते वक्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। कोशिश करें कि कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको उपहार दे सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

सिंह-शारीरिक लाभ के लिए, विशेषकर मानसिक तौर पर मज़बूती हासिल करने के लिए ध्यान और योग का आश्रय लें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आपके जीवनसाथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है।

कन्या-आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। जीवनसाथी आपको उपहार देगा।

तुला-आज का दिन मौज-मस्ती और आनंद से भरा रहेगा। बिना बताए आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है। कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरीपेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर-उधर की बातें करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक-ध्यान और आत्म-चिंतन लाभदायक सिद्ध होगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा।

धनु-स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने दोस्त से बहुत लंबे समय बाद मिलने का खयाल आपके दिल की धडक़न को बढ़ा सकता है। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

मकर-धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियां अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुख आपको टीस देता रहेगा।

कुंभ-दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जांच-पड़ताल कर लें। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें।

मीन-जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास खयाल रखें। आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। वैवाहिक जीवन में निखार आएगा।

संक्षिप्त समाचार

सम्मानित किए गए कंचन कान्वेंट स्कूल के हेड ब्वॉय कैप्टन व प्रीफेक्ट

कैसरगंज(बहराइच)। स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में एक समारोह आयोजित कर विद्यालय के हेड बॉय, हेड गर्ल हेड,कैप्टन व प्रीफेक्ट को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विद्यालय के प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव व डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर अगम स्वरूप श्रीवास्तव ने प्रदान किया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर अगम स्वरूप ने बताया कि बेहतर प्रदर्शन करने के साथ साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षिक गुणवत्ता में अपना योगदान देने वाले विद्यालय के हेड बॉय रितेश, हेड गर्ल वैष्णवी सोनी, सिद्धांत सिंह, प्रीफेक्ट सत्यम यादव व ऋषभ कौशल, श्री ओम, आकांक्षा श्रीवास्तव ,प्रियंका जायसवाल, रिद्धिमा शर्मा, अक्षरा,आयुष गुप्ता ,अरविंद पाल हिमांशु वर्मा, पार्थ शर्मा ,सचिन, शिवांश,करण, प्रथम ,मोहम्मद माज,को मेडल प्रदान किया गया है। इन सभी ने अपनी-अपनी कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के साथ-साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं में भी अपना सहयोग दिया है।उन्हीने कहा कि विद्यालय प्रबंध तंत्र इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है तथा इनके बेहतर भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है।इस मौके पर रंजीत सिंह, मोहम्मद माजिद, अबरार, मोहम्मद नसीब, प्रदीप श्रीवास्तव,राजेश मिश्रा, कृष्ण कुमार मौर्य,राम जी मिश्रा, पवन सिंह, उमाशंकर यादव,विजय मिश्रा ,शमी सहित सभी शिक्षक गण मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख ने दिव्यांग को दिलाई ट्राई साइकिल

बहराइच। विकास खण्ड कैसरगंज के प्रांगण में ब्लाक प्रमुख संदीप सिंह विसेन ने दिव्यांग उमेश कुमार निवासी सीतापुर को ट्राई साइकिल देकर उसकी सहायता की। ट्राई साइकिल मिलते ही दिव्यांग उमेश कुमार खुशी से झूम उठा ।उसने इसके लिए ब्लॉक प्रमुख को धन्यवाद दिया। दिव्यांग उमेश कुमार निवासी सीतापुर की ट्राई साइकिल रैन बसेरा के निकट से विगत दिनों कहीं खो गई थी। तभी से वह चलने फिरने मे मजबूर हो गया था। इसकी जानकारी जैसे ही ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह बिसेन को मिली। उन्होंने तत्काल एक नई ट्राई साइकिल मंगवा कर परियोजना निदेशक राजकुमार की उपस्तिथि मे दिव्यांग उमेश कुमार को ट्राई साइकिल भेंट की ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि दिव्यांग उमेश कुमार बिना ट्राई साइकिल के चल पाने में मजबूर था ऐसे भी जैसे ही उन्हें जानकारी हुई उन्होंने ट्राई साइकिल देकर उसकी मदद की। हम सभी को ऐसी ही जरूरतमंदों की मदद करते रहना चाहिए। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुबेद वर्मा,शिव सहाय सिंह,एडीओ समाज कल्याण वैदेही रमन वर्मा,एडीओ, एजी प्रेम शंकर शाश्वत ग्राम प्रधान अनुपम सिंह ग्राम प्रधान मोहम्मद आवेश,सामाजिक कार्यकर्ता मुजमअली, मंजूर अहमद,सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

स्वामित्व योजना के तहत 89 प्रतिशत राजस्व ग्रामों का जियो रेफरेन्सिंग का कार्य पूरा-मुख्य सचिव

लखनऊ। मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई, जिसमें कृषि, राजस्व तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग आदि विभागों की समीक्षा की गई।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि प्रदेश सरकार के कार्मिकों का माह दिसम्बर, 2023 का देय वेतन का भुगतान मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ही किया जाये। इसके अलावा 01 जनवरी, 2024 से सर्विस बुक को ई-सर्विस बुक में परिवर्तित करते हुए समस्त प्रकार के सेवा सम्बन्धी कार्यों का निस्तारण पोर्टल के माध्यम से कराया जाये और वर्ष 2023-24 की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट पोर्टल के माध्यम से अंकित की जाये। इसलिये सभी सेवारत कार्मिकों का विवरण वरीयता पर मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट करा दिया जाये। समस्त कार्मिकों का पोर्टल पर उपलब्ध विवरण त्रुटिरहित होना चाहिये।

उन्होंने सभी जनपदों में शीत लहर से बचाव के लिये आम जनमानस हेतु पर्याप्त मात्रा में सार्वजनिक स्थलों पर अलाव, रैन बसेरा व कम्बल वितरण आदि की व्यवस्थायें सुनिश्चित करायी जायें। अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाये कि ठंड में खुले आसमान के नीचे कोई भी व्यक्ति सोता हुआ न मिले। सार्वजनिक स्थानों पर जो भी व्यक्ति खुले में सोते हुये मिले, उसे रैन बसेरा में भेजा जाये। रैन बसेरों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। सभी रैन बसेरों में पर्याप्त मात्रा में बिस्तर एवं कम्बल की व्यवस्था होनी चाहिये। जनपदों में स्वयंसेवी संस्थाओं व सीएसआर फण्ड आदि से निर्मित किये गये प्राइवेट रैन बसेरों का भी आकस्मिक निरीक्षण कर वहां आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करायी जायें।

बैठक में बताया गया कि जनपदों द्वारा अब तक 3,30,794 कम्बलों का क्रय किया जा चुका है। प्रदेश के 50 जनपदों द्वारा कंबल वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। शेष 22 जनपदों द्वारा कंबल वितरण का कार्य जल्द शुरू कर दिया जायेगा। प्रदेश के समस्त जनपदों में 1199 रैन बसेरे संचालित हैं। अलाव जलाने हेतु प्रति तहसील 50 हजार रुपये आवंटित किये गये हैं।

रबी फसल की ई-खसरा पड़ताल की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुये उन्होंने पड़ताल के लिये आवश्यकतानुसार सर्वेयर, सुपरवाइजर, वेरीफायर का चिन्हांकन करते हुये उनकी आई0डी0 बनाने तथा उनके प्रशिक्षण का कार्य समय से पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि खरीफ फसल में पड़ताल में लगे सभी कार्मिकों के इन्सेन्टिव का भुगतान 31 दिसम्बर, 2023 तक करा दिया जाये। राजस्व विभाग द्वारा स्वामित्व योजना के तहत 89 प्रतिशत राजस्व ग्रामों का जियो रेफरेन्सिंग का कार्य पूरा होने की जानकारी दिये जाने पर मुख्य सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त की और अवशेष कार्यों को भी तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिये।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि जिन नॉन-कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में 03-06 वर्ष के बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने के लिये आवश्यक खाद्यान्न, उपकरण व बरतन आदि की व्यवस्था नहीं हुई, वहां सभी आवश्यक व्यवस्थायें शीर्ष प्राथमिकता पर पूर्ण करा ली जाये। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कुल रिक्त पदों के सापेक्ष 50 प्रतिशत पद अर्ह आंगनबाड़ी सहायिका तथा 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने हैं। पदोन्नत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आगामी जनवरी माह में नियुक्ति पत्र वितरण किया जाना प्रस्तावित है तथा अवशेष पदों पर भर्ती की कार्यवाही भी शीघ्र प्रारम्भ होनी है। अत: अवशेष जनपदों द्वारा रिक्तियों का निर्धारण तथा अर्ह आंगनबाड़ी सहायिका का आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रूप में चयन की कार्यवाही तेजी से पूरी कराते हुये पोर्टल पर दर्ज करा दिया जाये।

इसके अलावा उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा, पीएम किसान और आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में ऑन स्पॉट कैंप के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पंजीकरण कराया जाए। आयुष्मान योजना में प्रेरित कर पात्र परिवारों के अवशेष सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनवाये जायें। शत-प्रतिशत लाभार्थियों को योजना से आच्छादित करने के लिये कार्ड बनाने की रफ्तार में पुन: तेजी लाने की जरूरत है। फ्रंट लाइन वर्कर्स को रिएक्टिवेट किया जाये।

कृषि विभाग के तकनीकी सहायक, एटीएम, बीटीएम एवं अन्य विभागों के ग्राम स्तरीय कार्मिकों को अधिकतम 10 राजस्व ग्राम पर एक विलेज नोडल ऑफिसर (वीएनओ) नामित करते हुए लॉगिन आईडी बनाये जाएँ। ग्रामवार पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की ई-केवाईसी, बैंक अकाउंट की आधार लिंकिंग एवं भूलेख अंकन के अवशेष किसानो की सूची प्रिंट कराकर सम्बन्धित वीएनओ को उपलब्ध कराते हुए अवशेष कार्य को पूर्ण कराया जाए। वीएनओ के माध्यम से प्रेरित कराकर पीएम किसान योजना के नए लाभार्थियों का पंजीकरण भी पोर्टल पर कराया जाए।

इसे पूर्व, जिलाधिकारी प्रतापगढ़ ने 'भूमि विवाद निस्तारण' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि भूमि विवादों के निस्तारण के लिये कार्य योजना बनाकर विशेष अभियान चलाया गया। दिनांक 01.10.2023 से दिनांक 15.12.2023 के मध्य जनपद में पैमाइस के 1732 वादों, अंशनिर्धारण के वादों के 3,136 वादों, नामांतरण के 21,804 वादों, ग्राम सभा की भूमि पर अवैध कब्जे के 5,862 वादों का निस्तारण कराया गया।

इसी क्रम में, जिलाधिकारी सहारनपुर ने माननीय प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा कवच गोल्डेन कार्ड जिला सहारनपुर की सफलता पर केस स्टडी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर, 2023 को आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें 3,90,538 कार्ड बनाकर जनपद ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया।

बैठक में अपर मुख्य सचिव कृषि श्री देवेश चतुर्वेदी, सचिव बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती अनामिका सिंह, आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद श्रीमती मनीषा त्रिघाटिया, सचिव कृषि श्री राज शेखर, राहत आयुक्त श्री जी0एस0नवीन कुमार, निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार सुश्री सरनीत कौर

दो दिवसीय आईसीपीसी प्रतियोगिता का विवि में आयोजन आज, देश-भर के दिग्गजों का होगा जमावड़ा

कानपुर । छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर अकादमिक भवन में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आहूत हुई कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने बताया कि 22-23 दिसंबर को होने वाले आईसीपीसी के आयोजन में देश-भर से दिग्गज प्रतिभाग करेंगे कार्यक्रम के समन्वयक डॉ संदेश गुप्ता ने आईसीपीसी कांटेस्ट पर बताया कि प्रोगाम में प्रोग्रामिंग के होनहारों को वैश्विक मंच प्रदान किया जा सकता है

आईसीपीसी, यह दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और सबसे प्रतिष्ठित प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता है इसे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का ओलिंपियाड भी कहा जाता है एसीएम (एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी) इंटरनेशनल कॉलेजिएट प्रोग्रामिंग कॉन्टेस्ट (आईसीपीसी) की जड़ें 1970 में टेक्सास में आयोजित प्रतियोगिता से जुड़ी हैं जिसे यूपीई कंप्यूटर साइंस ऑनर सोसाइटी के अल्फा चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया था। 1977 में एसीएम कंप्यूटर विज्ञान सम्मेलन में आयोजित पहले फाइनल के साथ प्रतियोगिता एक बहु-स्तरीय प्रतियोगिता में विकसित हुई प्रतियोगिता नए सॉफ्टवेयर प्रोग्राम बनाने में रचनात्मकता, टीम वर्क और नवाचार को बढ़ावा देती है, और छात्रों को दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता का परीक्षण करती है सत्र 2023-24 में आईसीपीसी की भागीदारी में छह महाद्वीपों के 111 देशों के लगभग 4,500 विश्वविद्यालयों के 65,000 छात्र शामिल थे छात्रों को प्रोग्रामिंग प्राब्लम्स का विवरण एवं विजेता का निर्धारण कांटेस्ट में दी जायेगी प्रोब्लम्स सेट में आठ या अधिक जटिल समस्याएं होती हैं, जिसके समाधान के लिए पांच घंटे की समय सीमा होती है छात्रों द्वारा सबमिट किये गए साल्यूशन का जजों की एक टीम द्वारा गहन परीक्षण किया जाता है छात्रों को परीक्षण डेटा का एक उदाहरण दिया जाता है, लेकिन उनके पास जजों के द्वारा परीक्षण के समय उपयोग किया जाने वाला डेटा नहीं होता है सबमिट किए गए प्रत्येक गलत समाधान के लिए एक दंड का निर्धारण किया जाता है कम से कम समय में सबसे कम प्रयासों में सबसे अधिक समस्याओं को हल करने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाता है प्रथम चरण की प्रतियोगिता की बात करें तो सबसे अच्छा परफॉर्म करने वाली टॉप 10 टीम्स को जीतने वाली टीम वर्ष 2024 में कज़ाकिस्तान में होने वाले वर्ल्ड फाइनल्स में देश का नेतृत्व करेगी इस मौके पर प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ संदेश गुप्ता, निदेशक यूआईईटी, डॉ बृष्टि मित्रा, डॉ संदीप सिंह, डॉ आरके द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

आस्ताना ए ग़ाज़ी पर उमड़ी अक़ीदतमन्दों की भीड़

बहराइच। हिन्दू मुस्लिम एक की प्रतीक विश्व प्रसिद्ध सूफी हज़रत सैय्यद सालार मसूद ग़ाज़ी (रह0) की दरगाह पर नौचन्दी के अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आय हजारों अक़ीदतमन्दों ने मज़ार पर अपनी हाज़िरी देते हुवे फूल व चादर पेश कर अपनी मन्नतों की अर्जी (दरखुवास्त) लगाते हुवे दुआंय मांगी। हर माह चन्द्र दर्शन के पहले गुरुवार को आस्ताना ए ग़ाज़ी पर होने वाली खास महफ़िल (विशेष कार्यक्रम) में सम्मलित होने के लिये देर रात्रि से ही अक़ीदतमन्दों (श्रद्धालुओं) की आमद का सिलसिला शुरू हो गया था लोग अपने अपने साधनों, ट्रेन बसों, चार पहिया वाहनों, मोटर साइकिलों से दरगाह शरीफ पहुंच रहे थे उन पर कोहरे और सदीद ठण्ड का भी कोई प्रभाव नही नज़र आ रहा था सुबह होते होते पूरा दरगाह परिसर अक़ीदतमन्दों से भरा हुआ दिखाई दे रहा था कहीं पर भी पैर रखने की जगह नही थी जिधर भी निगाह दौड़ाइये हर तरफ ग़ाज़ी के दीवाने जिसमें महिलाएं पुरुष सभी सम्मलित थे नज़र आ रहे थे और पूरा क्षेत्र खुशबूओं से महक रहा था अकीदतमन्द ग़ाज़ी की शान में नारे लगाते हुवे मज़ार की जानिब हाज़िरी के लिये हाथों में चादर फल फूल आदि लिये बढ़ते जा रहे थे। दरगाह प्रबन्ध समिति की ओर से सदीद ठण्ड को देखते हुवे अक़ीदतमन्दों के लिये जगह जगह अलाव की व्यवस्था की गई थी जिससे कि आने वालों को ठण्ड से कुछ राहत मिल सके वहीं भीड़ को कन्ट्रोल करने के लिये भारी संख्या में थाना दरगाह शरीफ पुलिस, महिला पुलिस के अलावा रजाकार भी अपनी ड्यूटी को पूरी जिम्मेदारी के साथ अंजाम दे रहे थे जिससे कि किसी भी अक़ीदतमन्द (श्रद्धालू) को कोई परेशानी ना हो। नौचन्दी के अवसर पर भारी भीड़ को देखते दरगाह प्रबन्ध समिति अध्यक्ष सैय्यद शमशाद अहमद एडवोकेट, गिरदावर/सदस्य हाजी अज़मत उल्ला, दिलशाद अहमद एडवोकेट, मकसूद रायनी, मैनेजर हाजी सैय्यद अलीमुलहक़, सैय्यद आरिफ, शब्बू ,हाजी महफूज़ व स्टाफ के दूसरे लोग दफ्तर में मौजूद रहकर अक़ीदतमन्दों की सहूलियत के लिये किये गये इन्तिजामात (व्यवस्थाओं) की देख रेख कर रहे थे।

इकौना में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

जनपद श्रावस्ती के इकौना ब्लॉक के पुरूषोत्तमपुर ग्राम सभा में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा किया गया। जिसमें 2047 तक भारत राष्ट्र को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करने, भारत की एकता को सुदृढ़ करने हेतु संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पौत्री अंजली मिश्रा ने योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में आज भारत विकसित भारत बनने का सपना देख रहा है। आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को सालाना 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। किसानों के खाते में यह राशि हर 4 महीने के अंतराल में तीन किस्तों में 2-2 हजार रुपये करके उनके खाते में भेजी जाती है। किसानों के खाते में 15 किस्तें आ चुकी हैं तथा 16वीं किस्त किसानों के खाते में फरवरी महीने में भेजी जाएगी। कार्यक्रम में श्रावस्ती विधायक प्रतिनिधि अवधेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि आज वैश्विक पटल पर भारत की छवि एक शक्तिशाली देश के रूप में उभरी है और यह केवल प्रधानमंत्री मोदी की

टीकाकरण से उदासीन परिवारों को जागरूक करने हेतु आयोजित की गई धर्म गुरुओं की बैठक

बहराइच। यूनिसेफ के सहयोग से गुरुवार को सीएमओ ऑफिस सभागार में टीकाकरण से उदासीन परिवारों को जागरूक करने के लिए धर्म गुरुओं की बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सतीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक के दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर एस के सिंह ने टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि टीकाकरण 13 प्रकार की बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। इनमें टीबी, पोलियो, हेपेटाइटिस बी. डिप्थीरिया, टिटनेस, मीजल्स, परट्यूटिस (काली खांसी), रूबेला, निमोनिया, वायरल डायरिया, जेई , हेपटाइटिस टाईप बी और रोटा से बचाने के टीके शामिल हैं। शत प्रतिशत इन टीकों का लाभ सभी बच्चों को मिल सके इसके लिए अन्य उपायों के साथ ही धर्मगुरुओं का सहयोग मासूमों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने में मददगार होगा।

उन्होंने बताया कि जन्म से लेकर पांच वर्ष की आयु तक बच्चों को समय-समय पर 7 बार टीके लगाये जाते हैं । इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान चार सप्ताह के अन्तराल पर टीडी के दो टीके लगाये जाते हैं।

व्यवहार विज्ञान और मानव केंद्र डिजाइन कार्यक्रम -

यूनिसेफ़ के मोहम्मद आसिफ ने बताया कि व्यवहार विज्ञान और मानव केंद्र डिजाइन कार्यक्रम के तहत उदासीन परिवारोंको जागरूक किया जायेगा। इसके लिए शुरुआत में बहराइच शहरी क्षेत्र में दरगाह को चयनित किया गया है। इसके तहत दरगाह क्षेत्र के ऐसे 60 परिवारों को सम्मिलित किया गया है जिनका टीकाकरण के प्रति उदासीन व्यवहार है । यह कार्यक्रम यूनिसेफ़ और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संचालित किया जाएगा। इसी के अंतर्गत सर्वप्रथम आज धर्म गुरुओं की बैठक आयोजित कर सभी को टीकाकरण से होने वाले फायदे के बारे में जागरूक किया गया । साथ ही उनसे जुम्मे की नमाज के दौरान और अपनी तकरीरों के दौरान टीकाकरण के प्रति जागरूकता करने

पहेवा घटना मे नही था मेरा पीआरओ-विधायिका सरोज कुरील

संवाददाता द्वारा

कानपुर । सोमवार देर रात एक दलित समुदाय के कार्यक्रम में अराजकतत्वों द्धारा जमकर उत्पात मचाया गया था जिसमे विधायक के पीआरओ समेत मनीष तिवारी समेत आठ के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी जिसको लेकर घाटमपुर विधायिका सरोज कुरील ने पुलिस कमिश्नर आर के स्वर्णकार से मुलाकात करके बताया कि उनके पीआरओ का नाम साजिशन दिया गया विधायिका का कहना है कि जिस समय घटना हुई थी उस समय उनका पीआरओ मनीष तिवारी उनके साथ था उनका कहना था कि वह खुद दलित समाज की महिला है और उनके लिए सभी लोग बराबर है और उन्होंने पुलिस कमिश्नर से मिलकर घटना की सही से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने को कहा है।दरअसल कानपुर के घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के पहेवा गांव में 15 दिसंबर से बौद्ध कथा का आयोजन चल रहा है। सोमवार की देर रात कार सवार कुछ लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और दलित समाज को अपमानित करते हुए हंगामा करने लगे। युवकों ने मौके पर मिले टेण्ट व लाइट कर्मचारियों के साथ मारपीट की इतना ही नहीं संत रविदास की प्रतिमा को भी खंडित कर दिया। घटना की जानकारी पर जेसीपी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामले में विधायक पीआरओ समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पांच को गिरफ्तार भी कर लिया था ।

फूलबाग मंडी शिफ्टिंग पर हंगामा, व्यापारियों ने रोकी नगर आयुक्त की कार

संवाददाता द्वारा

कानपुर। फूलबाग में लगने वाली फल मंडी को शिफ्ट कराने पहुंचे नगर निगम अधिकारियों को भारी विरोध का सामना करना पड़ा मंडी में पहुंचे बुलडोजर को देखकर फल विक्रेता भड़क गए और जमकर हंगामा किया।इस बीच फल विक्रेताओं को जानकारी मिली कि नानाराव पार्क में नगर आयुक्त मौजूद हैं, इस पर जब सभी लोग वहां पहुंचे तो पार्क में तैनात गार्ड ने नानाराव पार्क का गेट बंद कर दिया इससे आक्रोशित फल विक्रेता मौके पर ही डटे रहे काफी देर चले हंगामे के जब गेट खोला गया तो फल विक्रेता नगर आयुक्त की गाड़ी के आगे आ गए और रास्ता रोक दिया फल विक्रेताओं के हंगामे को देखकर नगर आयुक्त नानाराव पार्क के दूसरे गेट से गाड़ी छोड़कर वापस चले गए इस बीच, सूचना पाकर नगर निगम के जोनल अफसर विद्यासागर यादव मौके पर पहुंच गए, तो नगर आयुक्त की गाड़ी के आगे खड़े फल विक्रेताओं ने उनके सामने भी विरोध जताया।फल विक्रेताओं का कहना था कि तत्कालीन मंडलायुक्त राजशेखर के समय हुई बैठक में फल मंडी को पास किया गया था लेकिन अब नगर निगम अधिकारी इसे शिफ्ट करने की बात कर रहे हैं फल विक्रेताओं का कहना था कि उन्हें ऐसी जगह शिफ्ट किया जा रहा है, जहां पर नगर निगम का डंप है।उनका कहना था कि कूड़ा अड्डा के बगल में उनका व्यापार चौपट हो जाएगा नगर निगम के जोनल अफसर विद्यासागर यादव ने बताया कि फल विक्रेताओं से बातचीत चल रही है फल विक्रेताओं को जहां जगह दी जा रही है वह उस जगह पर जाने को तैयार नहीं है।

पुलिस आयुक्त को आईएमए ज्वाइंट एक्शन ग्रुप कमेटी ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता द्वारा

कानपुर । इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा गुरुवार को आईएमए कानपुर की शाखा की ज्वाइंट एक्शन ग्रुप की कमेटी ने कानपुर पुलिस कमिश्नर आर के स्वर्णकार से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पारित मेडीकल प्रोटेक्शन एक्ट को प्रभावी तरीके से लागू कराने एवं नगर के चिकित्सको के साथ होने वाले दुर्व्यवहार पर कठोर कार्रवाई करने के सम्बन्ध मे एक ज्ञापन सौंपा और पुलिस कमिश्नर से ये अनुरोध किया गया की मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट को प्रभावी तरीके से लागू करने हेतु समस्त थानों को दिशा निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया, ताकि चिकित्सकीय प्रतिष्ठानों पर होने वाली तोड़फोड़ से बचा जा सके। इस अवसर पर आईएमए कानपुर की अध्यक्ष डॉ नंदिनी रस्तोगी, डॉ कुनाल सहाय सचिव, डॉ देवेन्द्र लाल चंदानी चैयरमैन एक्शन सब कमेटी , डॉ बृजेंद्र शुक्ल को चैयरमैन,डॉ अमित सिंह गौर कन्वेनर, डॉ अनुराग मेहरोत्रा उपाध्यक्ष, एवं डॉ देबाज्योती देबराय पूर्व सचिव उपस्थित थे।

शिखर पान मसाला के ठिकानों पर जीएसटी का छापा

दो फैक्ट्रियों पर कार्यवाही जारी, 20 सदस्यीय टीम खंगाली रही दस्तावेज

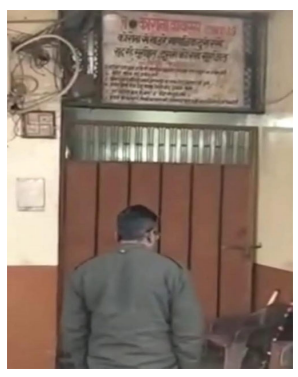

संवाददाता द्वारा

कानपुर । गुरुवार को कानपुर में शिखर पान मसाला की दो फैक्ट्रियों पर स्टेट जीएसटी की टीम ने बड़ी छापेमारी की है जीएसटी की 20 सदस्यीय टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फैक्ट्रियों और ऑफिस में छापेमारी की है सूत्रों की मानें तो करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी की बात सामने आ रही है इत्र कारोबारी पीयूष जैन मामले में भी शिखर पान मसाला का नाम आया था यहां महानिदेशालय जीएसटी इंटेलिजेंस अहमदाबाद की टीमों ने 2 साल पहले बड़ी कार्यवाही की थी करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी सूत्रों के मुताबिक जीएसटी के अस्सिटेंट कमिश्नर की अगुवाई में टीम की कार्यवाही जारी है फैक्ट्रियों पर अचानक हुई रेड से हड़कंप मचा हुआ है दोनों ही फैक्ट्रियों में तंबाकू और पान मसाला बनाने का काम होता है सूत्रों के मुताबिक करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी की सूचना के बाद कार्यवाही की गई है फैक्ट्रियों में छापेमारी के बाद कर्मचारियों की आवाजाही बंद कर दी गई टीमों ने फैक्ट्रियों के अंदर मौजूद माल की भी जांच शुरू कर दी है वहीं स्टॉक रजिस्टर की जांच भी की जा रही है जीएसटी की रेड अभी फैक्ट्रियों में जारी है।कर्मचारियों और अधिकारियों के आने-जाने पर रोक लगा दी है फैक्ट्री के अंदर मौजूद गाड़ियों की भी जांच की जा रही है।

बैठक के दौरान केडीए वीसी से टोन में बोलना पड़ा बिल्डर को भारी

संवाददाता द्वारा

कानपुर । जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर अतिरिक्त प्रभार केडीए वीसी से एक व्यक्ति द्वारा अभद्रता करने का मामला सामने आया है जहां गुरूवार को एक बैठक के दौरान एक बिल्डर ने केडीए वीसी से अभद्रता कर दी जिससे बैठक में सभी लोग भौंचक्के रह गए इसपर पुलिस ने वीसी से अभद्रता करने वाले बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया ।कानपुर विकास प्राधिकरण में एक बैठक दौरान एक बिल्डर विशाल गर्ग ने कुछ मामलों को लेकर केडीए वीसी से ही अभद्रता कर दी इस मामले में बिल्डर का कहना था कि पनकी गंगागंज में उनकी एक जमीन है जिसमें वर्ष 2016 से केडीए कब्जा करने का प्रयास कर रहा है जिसमे हाई कोर्ट का आदेश भी है फिर भी केडीए कोर्ट के आदेश को अनदेखी कर रहा है इसी के संबंध में जब बैठक में केडीए वीसी से इस प्रकरण की बात कही तो वे नाराज हो गए और उनको बाहर जाने के लिए बोल दिया जैसे ही वे बाहर निकले तो पुलिस पकड़कर स्वरूप नगर थाने ले आयी वहीं पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार ने बताया कि केडीए में बैठक के दौरान एक व्यक्ति के द्धारा केडीए वीसी से अभद्रता करने का ममला सामने आया है जिसमें तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी और दूसरे पक्ष की भी बात सुनी जाएगी ।

उपराष्ट्रपति की नकल उतारना गलत है कोई कामेडी शो नहीं था-मंत्री असीम अरुण

संवाददाता द्वारा

कानपुर । उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने गुरुवार को कानपुर का दौरा किया जहा वे सबसे पहले कांनपुर के स्टॉक एक्सचेंज आडोटोरियम में शक्ति ब्रिगेड साहित्य गंगा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए इस दौरान उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात दो पुस्तक का विमोचन भी किया ।कार्यक्रम के पश्चात मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी महिलाओं को लेकर सजक है मिशन शक्ति योजना और अन्य योजनाओं के तहत महिलाओं को उनका लाभ मिल रहा है ।लोकसभा में हुयी घटना के संबंध में मंत्री असीम अरुण ने कहा कि वह घटना बहुत ही निंदनीय है और जो मूल घटना सुरक्षा संबंधित थी उसके लिए एजेंसियां काम कर रही है जिसमें कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुयी और अब ऐसे व्यापक प्रबंध होने चाहिए जिससे कि ऐसी घटना दोबारा न हो ।टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति धनखड़ की नकल उतारने के मामले में उन्होंने कहा कि ये बहुत ही ग़लत है जिसने किया उनकी नैतिकता संविधानिक पद के प्रति ,संविधानिक संस्था के प्रति कितनी गलत है, ये कोई कामेडी शो का विषय नहीं है बल्कि एक गंभीर विषय है उनका निलंबन किया है वो बिल्कुल सही निर्णय रहा होगा।

लाइब्रेरी, इण्टरनेट की सुविधा एवं वेण्डिंग मशीन की सुविधा का शुभारम्भ

राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास प्रथम व द्वितीय कल्यानपुर कानपुर नगर में छात्रावास प्रथम में सावित्री राव फुले अध्ययन कक्ष एवं छात्रावास द्वितीय में कल्पना चावला अध्ययन कक्ष का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण के करकमलों से सम्पन्न हुआ। अध्ययन कक्ष में छात्रावास में आवासित छात्राओं हेतु लाइब्रेरी, इण्टरनेट की सुविधा एवं वेण्डिंग मशीन की सुविधा का शुभारम्भ किया गया। अध्ययन कक्ष के उद्घाटन के समय मंत्री के साथ बॉबी पाठक, महिमा मिश्रा, उपनिदेशक, समाज कल्याण, कानपुर मण्डल, कानपुर, त्रिनेत्र कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, कानपुर नगर के साथ किरनबाला छात्रावास अधीक्षक एवं समाज कल्याण विभाग के छात्रावास अधीक्षक, कर्मचारी एवं छात्रावास में आवासित छात्रायें उपस्थित रहीं।

क्रिसमस के त्यौहार को लेकर पुलिस तैयार-ज्वाइंट सीपी

संवाददाता द्वारा

कानपुर । आगामी क्रिसमस के त्योहार को लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में ज्वाइन पुलिस कमिश्नर आनन्द प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में शहर के सभी क्रिश्चियन समुदाय के लोगों के साथ बैठक सम्पन्न हुयी जिसमे पादरी एसोसिएशन के लोगों ने बैठक में अपनी- अपनी बात रखी और शांतिपूर्ण त्योहार सम्पन्न कराने को कहा समस्त पादरियों का कहना था कि उस दिन सबसे ज्यादा अराजक तत्व और छींटाकशी करने वाले लोगो का जमावड़ा लगा रहता है जिससे कि उन्हें त्योहार मनाने में समस्याएं होती हैं और इसके लिए ज्वाइंट सीपी आनन्द प्रकाश तिवारी ने कहा कि जैसे सभी त्योहार कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराऐ जाते हैं सभी त्योहारो में पुलिस एक्टिवि रहती है वैसे ही 25 दिसंबर को भी पुलिस अपनी जिम्मेदारी से त्योहार को सम्पन्न कराएगी।

मोदी जी की विकसित भारत संकल्प यात्रा से आम जनता को मिल रहा योजनाओं का लाभ-सांसद पचौरी

कानपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवाह्न पर कानपुर नगर में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में कानपुर सांसद सत्यदेव पचौरी जी किदवई नगर विधानसभा के वार्ड 14 सब्जी मण्डी वार्ड में आयोजित कैम्प में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सांसद पचौरी ने कैम्प में आए लोगों का प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि योजनाओं के लाभ लेने के लिए आवेदन कराने को कहा। सांसद पचौरी ने मीड़िया को सम्बोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आवाहन पर देश में चल रही ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' का आयोजन शहर में नगर निगम कानपुर द्वारा किया जा रहा है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा गरीब व्यक्तियों के कल्याण के उद्देश्य से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी, आवेदन तथा उसका लाभ देने का कार्य किया जा रहा है। भाजपा के कार्यकर्ता भी जनता को सहयोग को कैम्प में उपस्थित हैं। सांसद सत्यदेव पचौरी ने यह भी बताया कि यात्रा कानपुर के प्रत्येक वार्ड में आयोजित हो रही है तथा स्टॉल लगाकार योजनाओं के आवेदन लिए जा रहे है, इनमें प्रमुख रूप में पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैण्डअप इंडिया आयुष्मान भारत योजना, पीएम आवास योजना, उजाला योजना, पीएम सौभाग्य योजना जैसे अनेको योजनाओं के नि:शुल्क आवेदन कराए जा रहे हैं। सांसद पचौरी ने नगरवासियों की अपील की कि वह इस यात्रा में सहभागी बनकर केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ लें तथा जो असहाय व्यक्ति हैं उनका भी सहयोग करें। कार्यक्रम के दौरान किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, विनोद मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, पार्षद मनीष मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष अर्जुन बेरिया, अनीता त्रिपाठी महिला मोर्चा अध्यक्ष, पूर्व पार्षद सुनील कनौजिया एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

Times and Space NEWS

टाइम्स एंड स्पेस
(हिन्दी अंग्रेजी साप्ताहिक)

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक हिमांशु श्रीवास्तव द्वारा जय बजरंग प्रिंटर्स, 373, एफ-ब्लाक, पनकी, कानपुर नगर से मुद्रित। 53 रैना मार्केट, नवाबगंज, कानपुर नगर (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक
हिमांशु श्रीवास्तव
मो.: 9918558866

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
राहुल त्यागी
मो.: 9005199788

उप सम्पादक
कंचन श्रीवास्तव
प्रशान्त तिवारी
कुंवर मनीष सिंह सेंगर

website-
www.timesandspace.com
email
timesandspace.com@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय होगा।